

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, जोहानिन थियोलॉजी, सत्र 6, यीशु के 'मैं हूँ' कथन, भाग 1

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6 है, यीशु के मैं हूँ कथन, भाग 1।

हम यीशु के सात मैं हूँ कथनों की विस्तृत जाँच के साथ चौथे सुसमाचार के धर्मशास्त्र का अपना अध्ययन जारी रखते हैं।

पहला अध्याय छोटे में है। एक बार फिर, हमारे शब्दों को परिभाषित करने के लिए, मैं हूँ कथन यीशु के कथन हैं जिसमें वह कहता है, "मैं हूँ" और फिर शब्द के बाद एक विधेय नाममात्र, जीवन की रोटी, दुनिया की रोशनी, द्वार, मार्ग, सत्य और जीवन, अच्छा चरवाहा, सच्ची बेल, पुनरुत्थान है। मैं जीवन की रोटी हूँ।

यह एक मामला है, अध्याय छह, जिसमें यीशु ने एक संकेत, पाँच हज़ार लोगों को भोजन कराने को, एक उपदेश, मैं जीवन की रोटी हूँ प्रवचन के साथ जोड़ा है - अध्याय छह। यीशु ने गलील की झील को पार किया।

भीड़ ने उनका पीछा किया क्योंकि उन्होंने चिन्ह देखे थे। यीशु एक पहाड़ पर चढ़ गया, अपने शिष्यों को इकट्ठा किया, और एक बड़ी भीड़ को इकट्ठा होते देखा, और यूहन्ना ने उल्लेख किया कि यह फसह से पहले की बात है। उसने अपने शिष्यों को रोटी देने के लिए कहकर उनकी परीक्षा ली।

हमारे पास रोटी खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। यहाँ बहुत सारे लोग हैं। और फिर हमारे पास पाँच जौ की रोटियाँ और दो मछलियाँ वाले लड़के का विवरण है।

यीशु ने शिष्यों के ज़रिए लोगों को बैठने का आदेश दिया। लगभग पाँच हज़ार, और इस पर बहस हो रही है, लेकिन यह सिर्फ पुरुषों की संख्या हो सकती है। वैसे भी, बहुत सारे लोग, हज़ारों।

यीशु ने धन्यवाद दिया और अपने शिष्यों के माध्यम से रोटियाँ और मछलियाँ बाँटीं। यह वैसा नहीं है जैसा पीटर मार्शल ने कहा; उस छोटे लड़के के त्याग और त्याग के महान कार्य ने बाकी सभी को अपना दोपहर का भोजन बाहर लाने के लिए प्रेरित किया। नहीं, नहीं।

जॉन ने विशेष रूप से कहा कि यह मार्शल की ओर से एक प्रयास है, जो स्पष्ट रूप से मानते थे कि सुसमाचार सीनेट के पादरी या जो भी हो, अलौकिक को कम करने का प्रयास है। खैर, हम अलौकिक को वहाँ नहीं देखते हैं जहाँ यह नहीं है। लेकिन जब यह दिखाई देता है तो हम इसे अस्वीकार नहीं करते हैं।

और यह निश्चित रूप से रोटियों और मछलियों का एक अलौकिक गुणन है। लोगों ने जितना चाहा उतना खाया। शिष्यों ने बचे हुए भोजन की 12 टोकरियाँ इकट्ठी कीं।

पद 13. रोटियों के विषय में: जब लोगों ने उसका वह आश्चर्यकर्म देखा, तो कहने लगे, यह सचमुच वही भविष्यवक्ता है, जो जगत में आनेवाला था।

व्यवस्थाविवरण 18 का संदर्भ। संभवतः श्लोक 15 और 18 के आसपास, जहाँ मूसा ने भविष्यवाणी की थी कि जब इस्राएली वादा किए गए देश में प्रवेश करेंगे तो परमेश्वर उनके जैसा एक भविष्यवक्ता भेजेगा। उन्हें जादूगरों और भविष्यवक्ताओं और भूत-प्रेतों और उन सभी प्रकार के गुप्तचरों, झूठे भविष्यवक्ताओं की बात नहीं माननी थी।

उन्हें उस भविष्यवक्ता की बात सुननी है जिसे परमेश्वर भेजेगा। यह एक सामूहिक विचार प्रतीत होता है। जैसा कि मेरे प्रोफेसर रॉबर्ट वनोय ने मुझे कई साल पहले सिखाया था, पुराने नियम के प्रोफेसर, इस्राएल की पूरी भविष्यवाणी संस्था का समापन, जैसा कि प्रेरितों के काम अध्याय चार में पीटर ने कहा है, मसीहा, प्रभु यीशु में होता है, जो परमेश्वर का महान और अंतिम भविष्यवक्ता है।

अंतिम भविष्यवक्ता? नए नियम के भविष्यवक्ताओं के बारे में क्या? वे उसके दूत हैं। इब्रानियों एक, एक, और दो। वे उसके भविष्यवक्ता हैं जो परमेश्वर के दाहिने हाथ पर उसकी दिव्य भविष्यवाणिय सेवकाई के अधीन सेवा करते हैं।

यीशु ने देखा कि वे उसे पकड़कर ज़बरदस्ती राजा बनाने वाले हैं। वह भाग निकला। वह पानी पर चला।

श्लोक 22. अगले दिन, यूहन्ना के अध्याय छह की भीड़, जो समुद्र के दूसरी ओर रह गई थी, ने देखा कि वहाँ केवल एक नाव थी, और वे यह सुनना चाहते थे कि यीशु वहाँ कैसे पहुँचा। वे रुचि रखते हैं।

यूहन्ना में दिए गए चिन्ह और लोगों द्वारा उनकी खोज करना जटिल है। एक ओर, जैसा कि हमने देखा, उद्देश्य कथन कहता है कि चिन्ह विश्वास को जगाने के लिए लिखे गए थे, जो अनन्त जीवन की ओर ले जाता है। और फिर भी, यीशु ने मत्ती में कहा कि यह एक दुष्ट पीढ़ी है जो चिन्ह की खोज करती है।

और उस समय, उन्होंने कहा, आपको मूसा और योना के संकेत के अलावा कोई संकेत नहीं मिलेगा। माफ़ कीजिए। व्हेल के साथ उसका अनुभव, हम कह सकते हैं, एक प्रकार है, एक पुराने नियम की घटना जो यीशु ने कहा, उसकी अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान की भविष्यवाणी करती है।

इसलिए, परमेश्वर ने यीशु के संदेश को प्रमाणित करने और उसके व्यक्तित्व की ओर संकेत करने के लिए संकेत दिए, साथ ही मैं हूँ कथन भी दिए, जो बिल्कुल वही काम करते थे। लेकिन

यीशु से अलग खुद संकेतों की तलाश करना, शायद यही विचार है, गलत है। उन्हें यीशु की ओर इशारा करते हुए, यीशु को प्रकट करते हुए देखना सही है।

उन्हें अपने आप ढूँढ़ना अच्छा नहीं है। और वह अध्याय की 26वीं आयत में उन्हें फटकार लगाता है। इसके तुरंत बाद वह अपना प्रवचन शुरू करता है।

भीड़ मन्ना लेकर आती है। हे प्रभु, तू कौन सा चिन्ह दिखाता है कि हम उसे देखकर तुझ पर विश्वास करें? तू कौन सा काम करता है? हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया, जैसा लिखा है। उसने उन्हें खाने के लिए स्वर्ग से रोटी दी।

नहेमायाह 9:15 से एक उद्धरण, जो निर्गमन और गिनती की ओर संकेत करता है। निर्गमन 16, गिनती 11। तब यीशु ने उनसे कहा, मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, मूसा ने तुम्हें स्वर्ग से रोटी नहीं दी, परन्तु मेरा पिता तुम्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी देता है।

जंगल में भटकने के दौरान भोजन के लिए मन्ना और परमेश्वर का यह अलौकिक प्रावधान एक प्रतीक है। प्रतीक पुराने नियम के ऐतिहासिक व्यक्ति, घटनाएँ या संस्थाएँ हैं जो ऐतिहासिक थीं और जिनका इस्राएल के इतिहास में एक स्थान और भूमिका थी। साथ ही, वे भविष्यसूचक भी थे।

उन्होंने मसीहा, परमेश्वर के राज्य, यीशु के व्यक्तित्व और कार्य की ओर इशारा किया। और यहाँ, मन्ना स्वर्गीय मन्ना की ओर इशारा करता है, स्वर्ग से रोटी, अगर आप चाहें तो। मेरा पिता तुम्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी देता है।

वह अपने बारे में बात कर रहा है। क्योंकि परमेश्वर की रोटी वह है जो स्वर्ग से उतरकर जगत को जीवन देती है। उन्होंने उससे कहा, हे प्रभु, हमें यह रोटी सर्वदा दिया कर।

हमेशा की तरह, जब यीशु हमारे बारे में बोलते हैं, तो वे सांसारिक चीजों को आध्यात्मिक अर्थ देते हैं। जैसा कि मैंने पिछली बार कहा था, एंड्रियास कोस्टेनबर्गर ने अपने ज़ोंडरवन के ए थियोलॉजी ऑफ़ द गॉस्पेल, जॉन्स गॉस्पेल, एंड लेटर्स में तीन प्रमुख प्रतीकों का उल्लेख किया है जिनका यीशु उपयोग करते हैं: रोटी, पानी और प्रकाश। तो चलिए शुरू करते हैं।

रोटी, पानी और रोशनी। यहाँ रोटी का प्रतीक है। लेकिन वे गलत समझ रहे हैं।

वे इसे भौतिक रोटी समझते हैं। मैं जीवन की रोटी हूँ, 36. जो कोई मेरे बाद आएगा, वह भूखा न रहेगा।

जो मुझे पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा। परन्तु मैं ने तुम से कहा, कि तुम ने मुझे देखा है, तौभी विश्वास नहीं करते। जो कुछ पिता मुझे देता है, वह सब मेरे पास आएगा।

जो कोई मेरे पास आएगा, मैं उसे कभी नहीं निकालूँगा। क्योंकि मैं अपनी इच्छा पूरी करने नहीं, बल्कि अपने भेजनेवाले की इच्छा पूरी करने स्वर्ग से उतरा हूँ। और मेरे भेजनेवाले की इच्छा यही

है कि जो कुछ उसने मुझे दिया है, उसमें से मैं कुछ न खोऊँ, बल्कि उसे अंतिम दिन फिर से जिलाऊँ।

क्योंकि पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए। और मैं उसे अन्तिम दिन जिला उठाऊँगा। यहूदी उसके विषय में कुड़कुड़ाने लगे, क्योंकि उसने कहा था, कि वह रोटी जो स्वर्ग से उतरी है, मैं हूँ।

वैसे, सुधार के समय, एनाबैपटिस्ट मेनो सिमंस, जो एक ईसाई व्यक्ति था, वह लूथर और कैल्विन से ईर्ष्या करता था और उन्हें शिक्षित कहता था। यह सुंदर नहीं था, लेकिन उसने सुसमाचार का प्रचार किया; कट्टरपंथी सुधार इतना विविधतापूर्ण था, और इसमें कुछ लोग प्रभु के नाम पर शहरों पर कब्जा करने वाले, त्रिमूर्ति-विरोधी कट्टरपंथी थे। मेनो एक सीधा-सादा आस्तिक और एक विनम्र व्यक्ति था, विद्वान नहीं था, लेकिन कम से कम एक बिंदु पर उसका क्राइस्टोलॉजी दोषपूर्ण था।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि उसके पास सच्चा सुसमाचार नहीं है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि वह बचा नहीं है। वह बचा है, और वह एक प्रचारक है।

लेकिन उसने इन शब्दों को गलत समझा और कहा कि यीशु के पास स्वर्गीय शरीर था। नहीं, कैल्विन कहते हैं, उनके पास हमारे जैसा ही शरीर है, सिवाय इसके कि वे पाप रहित हैं। उनका शरीर, उन्हें वर्जिन मैरी से मिला था जिस तरह से हम सभी को अपनी माताओं से मिलता है।

तो, मेनो को यह ओबी फिलिप्स और कुछ अन्य एनाबैपटिस्ट शिक्षकों से मिला। शुक्र है कि मेनोनाइट्स ने यह सिखाने में उसका अनुसरण नहीं किया कि यीशु के पास स्वर्गीय शरीर था। क्या यह यीशु यूसुफ का पुत्र नहीं है, जिसके पिता और माता को हम जानते हैं? अब वह कैसे कहता है, मैं स्वर्ग से नीचे आया हूँ? आपस में मत कुड़कुड़ाओ, वह कहता है, यूहन्ना 6:44।

कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता जब तक पिता जिसने मुझे भेजा है उसे खींच न ले, और मैं उसे अंतिम दिन फिर से जिला उठाऊँगा। यह भविष्यद्वक्ताओं में लिखा है, और वे सभी परमेश्वर की ओर से सिखाए जाएंगे, जैसा कि यशायाह 54:13 में उद्धृत किया गया है।

जो कोई पिता से सुनता और सीखता है, वह मेरे पास आता है। यह नहीं कि किसी ने पिता को देखा है, केवल वही जो परमेश्वर से है। उसी ने पिता को देखा है।

मैं तुम से सच कहता हूँ, जो कोई विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसी का है। जीवन की रोटी मैं हूँ। तुम्हारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया और मर गए।

यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरी है ताकि कोई इसे खाए और न मरे। मैं वह जीवित रोटी हूँ जो स्वर्ग से उतरी है। यदि कोई इस रोटी को खाए, तो वह सर्वदा जीवित रहेगा।

और जो रोटी मैं जगत के जीवन के लिये दूँगा, वह मेरा मांस है। वह अपने प्रायश्चित की बात कर रहा है, लेकिन फिर से, वे गलत समझ रहे हैं। तब यहूदियों ने आपस में विवाद किया।

यूहन्ना 6, 52. यह मनुष्य हमें अपना मांस खाने के लिए कैसे दे सकता है? आरंभिक मसीहियों पर मूर्तिपूजकों द्वारा नरभक्षण, अनैतिकता और विद्रोह का आरोप लगाया गया था। विद्रोह इसलिए क्योंकि वे सीज़र की नहीं, बल्कि एक राजा, यीशु की पूजा करते थे।

अनैतिकता बुतपरस्तों के गंदे दिमाग की वजह से है; जब उन्होंने पवित्र चुम्बन के बारे में सुना, तो उनके दिमाग बुरे रास्ते पर चले गए। और इस वजह से नरभक्षण, प्रभु के भोज की भाषा की उनकी गलतफहमी की वजह से। यह आदमी हमें अपना मांस खाने के लिए कैसे दे सकता है? यीशु पीछे नहीं हटते।

वह बस इसे और भी मोटा कर देता है। सच सच, मैं तुमसे कहता हूँ, जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस नहीं खाते और उसका खून नहीं पीते, तुम में जीवन नहीं। जो कोई मेरा मांस खाता है और मेरा खून पीता है, अनन्त जीवन उसका है, और मैं उसे अंतिम दिन जिला उठाऊँगा।

जॉन का सुसमाचार, पहले तीन सुसमाचारों के विपरीत, प्रभु भोज की संस्था को दर्ज नहीं करता है। लेकिन इन शब्दों को पढ़ना और प्रभु भोज के बारे में न सोचना असंभव है। इसलिए, हम जो कहते हैं वह प्रभु भोज की कोई संस्था नहीं है।

वैसे, कुछ आलोचनात्मक विद्वानों का कहना है कि जॉन या तो प्रभु के भोज के बारे में नहीं जानते थे या फिर संस्कार-विरोधी थे। यह बिलकुल विचित्र है। यहाँ प्रभु के भोज, मसीह के साथ मिलन, दोनों संस्कारों, बपतिस्मा और प्रभु के भोज का प्राथमिक अर्थ, भोज की संस्था के बिना, धर्मशास्त्र है।

जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है, अनन्त जीवन उसी का है, और मैं उसे अन्तिम दिन जिला उठाऊँगा। क्योंकि मेरा मांस सच्चा भोजन है, और मेरा लहू सच्चा पेय है। जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता है, वह मुझ में बना रहता है, और मैं उसमें।

निश्चित रूप से, ये कठोर शब्द हैं। और वे कहते थे, यह शिक्षक कैसा है, आह। कभी-कभी, वे उस पर दुष्टात्मा के कब्जे का आरोप लगाते थे।

जैसा कि हमने पहले कहा, चौथे सुसमाचार में भूत भगाने का कोई उल्लेख नहीं है। केवल आधा दर्जन बार ही भूत भगाने का उल्लेख है, उन आरोपों में कि यीशु में भूत हैं। और, हे भगवान!

जैसा कि जीवित पिता ने मुझे भेजा है, और मैं पिता के कारण जीवित हूँ, वैसे ही जो कोई मुझे खाएगा, वह भी मेरे कारण जीवित रहेगा। यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरी है, न कि वह रोटी जिसे बापदादों ने खाया और मर गए। जो कोई इस रोटी को खाएगा, वह सर्वदा जीवित रहेगा।

यीशु ने ये बातें कफरनहूम में उपदेश देते समय आराधनालय में कहीं। और जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं, उसके बाद जो शब्द कहे गए, उनसे लोग नाराज़ हो गए। वे दो कारणों से नाराज़ हुए।

यह नरभक्षी सामान, और उसका क्षमा करें कालभ्रम, केल्विनवाद। उसका ऑगस्टीनियनवाद। ईश्वरीय संप्रभुता पर उसका प्रबल जोर।

वे इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। और हमारे पास दुखद शब्द है। और फिर, वह पीछे नहीं हटता।

वह और भी अधिक तीव्र है। यूहन्ना 6 के 66. इसके बाद, उसके कई शिष्य, स्पष्ट रूप से शब्द का व्यापक उपयोग, पीछे मुड़ गए और उसके साथ नहीं चले। फिर वह 12 से कहता है, क्या तुम भी चले जाना चाहते हो? साइमन पीटर, स्वाभाविक रूप से नेता, जवाब देता है, प्रभु, हम किसके पास जाएँ? आपके पास अनन्त जीवन के शब्द हैं।

और हमने विश्वास किया है और जान लिया है कि तू परमेश्वर का पवित्र जन है। यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "क्या मैंने तुम्हें, अर्थात् 12 को नहीं चुना? यहाँ इसका अर्थ है कि तुम मेरे शिष्य बनो। और फिर भी, तुम में से एक शैतान है।"

उसने शमौन इस्करियोती के बेटे यहूदा के बारे में बात की। क्योंकि वह, 12 में से एक, उसे धोखा देने वाला था। मुझे पतरस का जवाब बहुत पसंद आया।

पतरस ने कहा, कोई बात नहीं प्रभु। हम प्रभु भोज के धर्मशास्त्र को आपके बोलने से पहले ही समझ लेते हैं। हम मसीह के साथ एकता को समझते हैं, इससे पहले कि आप मरें और फिर से जी उठें और आत्मा भेजें।

कोई बात नहीं। उसे इनमें से कुछ भी समझ नहीं आया। लेकिन वह मसीह के व्यक्तित्व से चिपका रहा।

वह यीशु के शब्दों को नहीं समझ पाया, लेकिन जो उन्हें उस पर विश्वास करने और इस तरह विश्वास के द्वारा उसके साथ जुड़ने के लिए बुला रहे थे ताकि वह जो कुछ भी करे उससे उन्हें लाभ हो। अंततः, उसके शब्द भोज की शिक्षा से संबंधित हैं, लेकिन भोज की संस्था से नहीं। मुझे पतरस का उत्तर पसंद आया।

प्रभु, हम कहाँ जा सकते हैं? आपके पास अनंत जीवन के वचन हैं। हम आपको पूरी तरह से नहीं समझते हैं, और निश्चित रूप से, हम यह नहीं समझते हैं कि आप क्या कह रहे हैं, लेकिन हम आप पर विश्वास करते हैं। हम आप पर विश्वास करते हैं।

हम आपकी बात पर विश्वास करते हैं, और हम आप पर विश्वास करते हैं। यह सुंदर है। यह वास्तव में सुंदर है।

मैं जो पहली बात कह रहा हूँ वह है जीवन की रोटी। और यह यीशु के जीवनदाता होने की बात करता है। जैसे पूर्वजों ने मन्ना खाया, वैसे ही जंगल में उनका भौतिक जीवन कायम रहा।

वैसे तो हम अपने जीवन में हर दिन रोटी खाते हैं, लेकिन इसे जीवन का आधार इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह एक कारण है। या फिर मैं मानता हूँ कि आज आप कहेंगे कि दुनिया भर में

चावल जीवन का आधार हो सकता है। जैसे चावल और रोटी मनुष्य को जीवित रखते हैं, वैसे ही यीशु आध्यात्मिक जीवन को बनाए रखते हैं।

वह जीवनदाता है। वह जीवन की रोटी है। और एक व्यक्ति विश्वास करता है, एक व्यक्ति उसे विश्वास से खाता है, उस पर और उसके उद्धार कार्य पर विश्वास करके, जो अभी तक चौथे सुसमाचार में प्रकट नहीं हुआ है।

यीशु जगत की ज्योति है। इस अवधारणा का परिचय अध्याय आठ में दिया गया है। मुझे लगता है कि मैंने इस पर पर्याप्त ज़ोर दिया है।

जीवन की रोटी, मैं जीवन की रोटी हूँ। मैं कह रहा हूँ कि यह जीवन की रोटी के उपदेश के साथ है। उपदेश और संकेत एक हैं।

शब्द और चमत्कार एक साथ मिलते हैं। इसलिए, यीशु पहले कार्य करते हैं, और फिर उपदेश देते हैं। और 5,000 या शायद 15,000 लोगों को चमत्कारी रूप से भोजन कराना, अगर 5,000 सिर्फ पुरुषों की बात करते हैं, तो यही अवसर है।

जैसे ही उनके पेट गर्म होते हैं, जैसे ही वे संतुष्ट होते हैं, जैसा कि पाठ में कहा गया है, वह आध्यात्मिक संतुष्टि, आध्यात्मिक रूप से आंतरिक गर्मी के बारे में बात करता है, अगर आप चाहें, जब लोग उस पर विश्वास करते हैं। और पहले से ही अध्याय आठ में, अध्याय नौ से पहले, यीशु ने घोषणा की कि वह दुनिया का प्रकाश है। वास्तव में, सात का अंत 8:12 पर जाता है।

नए नियम की पांडुलिपियों का अध्ययन और चर्च के पिताओं में बाइबिल के संदर्भों का हवाला देना, सभी पाठ्य आलोचना का विज्ञान है। और इसका प्रभाव नए नियम की शिक्षा पर न्यूनतम है। और वास्तव में, पाठ के केवल दो स्थान ही काफी हद तक प्रभावित हैं।

मार्क का लंबा अंत सबसे पुरानी और सबसे अच्छी पांडुलिपियों में नहीं है। और इसलिए NASB, NIV, ESV, सभी में है, वे इसे शामिल करते हैं, लेकिन इसे शामिल करते हैं, लेकिन उस प्रभाव के लिए एक नोट है। इसी तरह, महिला व्यभिचार में पकड़ी गई थी।

लोगों को लगता है कि यह जॉन द्वारा गढ़ी गई कोई बात नहीं है, यह वास्तव में हुआ था, लेकिन यह जॉन की कुछ प्रतियों में नहीं है। यह ल्यूक के अंत में दिखाई देता है। मेरा मानना है कि यह जॉन के अंत में दिखाई देता है।

यह यहाँ दिखाई देता है। और इसलिए मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि यह पवित्र शास्त्र का हिस्सा नहीं है क्योंकि यह फिर से सबसे पुरानी और सबसे अच्छी पांडुलिपियों में नहीं है। और इसलिए 7:52 सीधे 8:12 पर जाता है।

मैं जगत की ज्योति हूँ, 8:12. जो कोई मेरे पीछे चलेगा वह अंधकार में नहीं चलेगा, बल्कि हमें जीवन की ज्योति मिलेगी। और यीशु अपने व्यवसाय के बारे में इस गवाही में आता है, जिसमें वह कहता है, क्या आप जानते हैं? मैं अकेले गवाही नहीं देता।

जैसा कि उन्होंने अध्याय पांच में कहा, पुराने नियम, जॉन बैपटिस्ट, मेरे चमत्कार, और सबसे बढ़कर पिता गवाही देते हैं, सभी मेरी गवाही देते हैं। लेकिन आप जानते हैं क्या? मैं सच बोलता हूँ, और मैं अन्य गवाहों, खासकर पिता से सहमत हूँ। हम कानून के अनुसार दो गवाह बनाते हैं।

मैं जो कहता हूँ वह सच है। इसलिए, वह वहाँ उस व्यवसाय का परिचय देता है, लेकिन यह अध्याय नौ में है, वह एक बार फिर, संकेत और उपदेश को जोड़ता है, मैं कह रहा हूँ, उसे दुनिया की रोशनी के रूप में प्रस्तुत करने के लिए। फिर से, अगर हम 14:6 पर वापस जाते हैं, तो वह मार्ग है, उद्धारकर्ता है, वह सत्य है।

यह दूसरा है जो मैं कह रहा हूँ जो दर्शाता है कि वह सत्य है, ईश्वर का प्रकटकर्ता है। एक प्रमुख विषय, जो पहले से ही सर्वोपरि है, प्रस्तावना में है, जहाँ शब्द और प्रकाश ठीक रहस्योद्घाटन की बात करते हैं। वह अध्याय नौ में एक अंधे व्यक्ति को देखता है।

शिष्यों के पास भी वही खराब धर्मशास्त्र है जो यहूदी नेताओं के पास है जब वे उस व्यक्ति से कहते हैं, तुम पाप में पैदा हुए हो। मैंने एक बार एक अरब ईसाई को यह कहते हुए सुना, यहाँ तक कि अभी भी फिलिस्तीन में, ऐसी मान्यताएँ हैं कि या तो तुम्हारी माँ ने पाप किया है, या अगर तुम इस दुनिया में आए हो तो तुमने गर्भ में ही पाप किया है। कम सक्षम, किसी तरह से विकलांग।

अलग तरह से सक्षम, हम वहाँ जाते हैं। वैसे भी, यह आदमी अंधा है; शिष्यों को समझ में नहीं आता कि किसने पाप किया, क्या यह उसने, उसकी माँ ने, या उसके माता-पिता ने किया। ऐसा नहीं है कि इस आदमी ने पाप किया, नौ, तीन, या उसके माता-पिता ने, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर के कार्य उसमें प्रदर्शित हो सकें।

हमें उस व्यक्ति के कामों पर काम करना चाहिए जिसने इसे मेरे पास भेजा है, जबकि अभी दिन है। रात आ रही है। क्या यह चर्च का उत्पीड़न है? क्या यह वह क्लेश है जिसके बारे में प्रेरितों के काम की पुस्तक हमें बताती है कि यह सभी विश्वासियों के साथ होने वाला है? क्या यह महान क्लेश है? ठीक-ठीक जानना मुश्किल है, लेकिन वह विदाई प्रवचनों में उत्पीड़न की भविष्यवाणी करता है।

वैसे भी मैं तुरन्त उसी को चुनूंगा। जब तक मैं दुनिया में हूँ, मैं दुनिया की रोशनी हूँ। यहां उसका इलाज अजीब है।

वह थूकता है, कीचड़ बनाता है, उसे उस आदमी की आँखों पर लगाता है, और उसे धोने के लिए कहता है। उस आदमी को श्रेय दो। वह नामान की तरह नहीं है, जो कहता है, मैं इस्राएल की नदी में नहाने नहीं जा रहा हूँ।

यह बेतुकी बात है। जहाँ से मैं आता हूँ, वहाँ नदियाँ बेहतर हैं। और उसका नौकर उसे इसके लिए मना लेता है।

अरे यार, मुझे सिलोआम के तालाब की ओर इशारा करो। मैं वहाँ कूद रहा हूँ।

मैं वहाँ हूँ। और आश्चर्यजनक रूप से, वह देखता है कि क्या हुआ था। वह उसे बताता है।

यीशु कहाँ है? वह कहता है, "मुझे नहीं पता। मैंने उसे कभी नहीं देखा। और मैं पहले भी ऐसा कर चुका हूँ।"

फरीसी, बेशक, उसे बुलाते हैं और उसे गर्म सीट पर बिठाते हैं। वह हिलता नहीं है। वह उसे बताता है कि वास्तव में क्या हुआ था।

यह मनुष्य परमेश्वर की ओर से नहीं है। श्लोक 16. वह सब्ब का पालन नहीं करता।

हम जानते हैं कि सब्ब के दिन कहा गया है, तुम सब्ब के दिन अंधे लोगों को ठीक नहीं करोगे, है न? नहीं, उन्हें इस चमत्कारी उपचार के लिए भगवान की स्तुति करते हुए, बैकफ्लिप करना चाहिए। जैसा कि आदमी खुद कहता है, पहले कभी नहीं सुना।

एक पापी ऐसे चिन्ह कैसे दिखा सकता है जिससे अंधा आदमी आ गया? भूतपूर्व अंधा आदमी कहता है। और उनके बीच विभाजन हो गया। लड़के, हम इसे पहले 12 अध्यायों में से हर एक में देखते हैं।

मैं इसके करीब विश्वास करता हूँ। प्रस्तावना में यीशु के लिए दो प्रतिक्रियाएँ। 10, 11, नकारात्मक प्रतिक्रिया।

12 या 13, सकारात्मक प्रतिक्रिया। और बुक ऑफ साइन्स में एपिसोड दर एपिसोड, वही बात होती है। और फिर, अध्याय 15 में, पंच लाइन आती है।

वह शिष्यों से कहता है कि यदि वे मुझे अस्वीकार करते हैं, तो वे तुम्हें और तुम्हारे संदेश को अस्वीकार करेंगे। यदि वे मेरे वचन पर विश्वास करते हैं, तो वे तुम्हारे वचन पर भी विश्वास करेंगे।

क्या हम गुरु में बेहतर नतीजों की उम्मीद करते हैं? हमें भी परस्पर विरोधी प्रतिक्रियाएँ मिलेंगी। हो सकता है कि यह हमें सुसमाचार की गवाही देने से न रोके। क्योंकि परमेश्वर अपने लोगों में काम करेगा।

ताकि जो कोई विश्वास करे वह उद्धार पाएगा। श्लोक 18, यहूदियों को तब तक विश्वास नहीं हुआ कि वह अंधा था और उसे दृष्टि मिल गई जब तक कि उन्होंने उसके माता-पिता को बुलाकर उन्हें तीसरी डिग्री नहीं दी। वह हमारा लड़का है।

उन्हें उम्मीद थी कि वह कहेगा, नहीं, वह वास्तव में अंधा पैदा नहीं हुआ था। उसे बस थोड़ी सी समस्या थी, ठीक है, वह वास्तव में ठीक से नहीं देख सकता था, लेकिन नहीं, वह अंधा पैदा हुआ था। और जैसा कि मैंने पहले कहा, आप उससे पूछें, वह उम्र में बड़ा है।

वे आराधनालय से बाहर नहीं जाना चाहते थे। वे उस आदमी को दूसरी बार बुलाते हैं, जो पहले अंधा था। वह उन्हें यह करने देता है।

वह यीशु के पक्ष में है। मैंने अभी तक यीशु को कभी नहीं देखा है, लेकिन वह सिर्फ आभारी है। वह नौ कोढ़ियों की तरह नहीं है।

वह वास्तव में आभारी है। और वह इन मूर्खों के खिलाफ यीशु का बचाव करने जा रहा है जो अपने चेहरे पर नाक नहीं देख सकते। हम जानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता।

दुनिया की शुरुआत से लेकर अब तक, श्लोक 32, ऐसा कभी नहीं सुना गया कि किसी ने किसी आदमी की आँखें खोली हों। वे बहुत पागल हैं। तुम पाप में पैदा हुए हो। यहाँ से चले जाओ।

उन्होंने उसे आराधनालय से बाहर निकाल दिया। मुझे श्लोक 35 बहुत पसंद है। यह ऐसा है जैसे परमेश्वर पतन के बाद बगीचे में आदम और हव्वा को खोज रहा हो।

यीशु ने सुना कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया है। उसे पाकर उसने पूछा, क्या तू मनुष्य के पुत्र पर विश्वास करता है? याद रख, उसने यीशु को कभी नहीं देखा। मैं इस आदमी से प्यार करता हूँ।

वह तो बस यीशु के हाथों की मिट्टी है। वह कौन है, सर, कि मैं उस पर विश्वास करूँ? आप मुझे बताइए, मैं साइन अप करने जा रहा हूँ। वाह, यह अविश्वसनीय है।

ओह, यीशु के हाथों में मिट्टी होना एक अच्छी बात है। मैंने विश्वासियों को यह कहते सुना है, मैं बहुत आभारी हूँ कि ईसाई आए और मेरे दरवाजे पर दस्तक दी और मुझे यीशु के बारे में बताया। क्योंकि अगर पंथवादी आए होते, तो मुझे लगता है कि मैं उनका अनुसरण कर सकता था।

एक भोली आत्मा, एक प्यारी आत्मा, लेकिन प्रभावित होने वाली। अपनी कमज़ोरियों को जानते हुए। मैंने ऐसा कई बार सुना है।

और यह आदमी, वह अच्छे हाथों में है। वह यीशु के हाथों में है। आपने उसे देखा है।

तुमने उसे देखा है। ओह, मुझे यह बहुत पसंद है। यह फैनी क्रॉस्बी के भजनों जैसा है।

लगभग सभी ने इसे देखा है। वह अंधी पैदा नहीं हुई थी। वह अंधी हो गई, एक नर्स की गलती से।

और हर भजन में, वह यीशु को देखकर खुश होती है। वैसे भी, तुमने उसे देखा है। ये अद्भुत शब्द हैं।

यह वही है जो आपसे बात कर रहा है। मुझे यह पसंद है। मैंने आपको बताया था, सुसमाचारों में यीशु के सामने ज़्यादातर दंडवत प्रणाम आराधना नहीं है।

यह हताश लोग हैं जो एक कथित चमत्कार करने वाले के सामने झुककर दया की भीख मांग रहे हैं, बच्चे के लिए, प्यारे सेवक के लिए। वे पूजा नहीं कर रहे हैं। उन्हें यह भी नहीं लगता कि वह भगवान है, भगवान के लिए।

लेकिन वह भगवान का एक साधन है। यह आदमी, मुझे लगता है कि यह पूजा है। जैसा कि थॉमस अध्याय 20 में उसकी पूजा करता है, मुझे लगता है, भगवान, मुझे विश्वास है।

और उसने उसकी आराधना की। यह आश्चर्यजनक है। सामरी महिला यरूशलेम के बाहर यीशु की आराधना करने के लिए प्रेरितों की पुस्तक का इंतजार नहीं करती।

क्योंकि वह सुसमाचार है और वह उस पर विश्वास करती है। और यह हास्यास्पद है। वह जाती है और पुरुषों से कहती है, तुम्हारे पास एक आदमी आता है जिसने मुझे वह सब कुछ बताया जो मैंने कभी किया था।

वह एक संदिग्ध महिला है और वह कुख्यात है। वे यीशु को सुनने जाते हैं क्योंकि उसने उसके पापी अतीत को उसके बताए बिना प्रकट कर दिया था। लेकिन यीशु के उनके साथ कुछ समय रहने के बाद, उन्होंने कहा, आपने जो कहा उसके कारण अब हम विश्वास नहीं करते।

लेकिन हमने खुद सुना है। और हम जानते हैं कि वह दुनिया का उद्धारकर्ता है। कितनी विडंबना है।

परमेश्वर की यह कैसी परंपरा है। सामरी लोग प्रेरितों के काम की पुस्तक से बहुत पहले ही यीशु को संसार का उद्धारकर्ता घोषित करते हैं। और इससे भी पहले कि परमेश्वर कुरनेलियुस और पतरस दोनों के माध्यम से उस बात को एक साथ लाने और अन्यजातियों तक सुसमाचार पहुँचाने का काम करता है।

हाँ, अर्ध-नस्ल और आर्यन विधर्मी यीशु और उनके शब्दों के कारण विश्वास करते हैं। महिला और लोगों के लिए। और फिर हमें ये रहस्यमय शब्द मिलते हैं।

प्रभु, मैं विश्वास करता हूँ, और उसने उसकी आराधना की। यीशु ने कहा, न्याय के लिए, मैं इस दुनिया में आया हूँ। यह अध्याय तीन में एक सतही विरोधाभास है।

भगवान ने अपने बेटे को दुनिया में दुनिया को दोषी ठहराने के लिए नहीं भेजा। और उससे भी बढ़कर, मुझे लगता है कि अध्याय 12 में, आपको इसी तरह की बात मिलती है। यहाँ क्या हो रहा है? पिता द्वारा बेटे को भेजने की मुख्य प्रेरणा बचाना है।

लेकिन मिशनरियों की तरह ही, उनके उद्धारक मंत्रालय का एक उपोत्पाद न्याय है। इसलिए, यीशु यहाँ न्याय का अर्थ अलगाव या भेदभाव से अधिक है। न्याय के लिए, मैं दुनिया में आया हूँ ताकि जो नहीं देखते वे देख सकें।

ओह, वह शारीरिक दृष्टि के बारे में बात कर रहा है, है न? उसने इसे अंधे आदमी को दे दिया। हाँ। लेकिन क्या वह इससे ज़्यादा के बारे में बात कर रहा है? एक पल रुकिए।

और इसलिए कि जो लोग देखते हैं वे अंधे हो जाएं। यह शाब्दिक नहीं है। यीशु द्वारा किसी को अंधा करने का कोई उदाहरण नहीं है।

ओह, पॉल ने पाफोस द्वीप पर किसी को अंधा कर दिया था। मैं पागल हो गया हूँ। वैसे भी, पॉल ने अपनी मिशनरी यात्राओं में एक झूठे भविष्यद्वक्ता को अंधा कर दिया था।

यीशु ने कभी किसी को अंधा नहीं किया। नहीं, यह आलंकारिक भाषा है। अगर आप चाहें तो इसे आध्यात्मिक भाषा कह सकते हैं।

रूपकात्मक। न्याय के लिए, मैं दुनिया में आया हूँ ताकि जो लोग नहीं देखते हैं, जो मेरी रोशनी में अपनी आध्यात्मिक ज़रूरत को पहचानते हैं, जब दुनिया की रोशनी उन पर चमकती है, और भगवान ने प्रकट किया है, भगवान का प्रकटकर्ता उनके लिए भगवान को प्रकट करता है, वे प्रस्तुत होते हैं, वे स्वीकार करते हैं, वे पश्चाताप करते हैं और विश्वास करते हैं। और वे देखते हैं।

और जो लोग देखते हैं वे अंधे हो सकते हैं। जो लोग दावा करते हैं कि वे मेरे अलावा दुनिया की रोशनी देख सकते हैं। ओह, वह नेताओं के खिलाफ सही बोल रहा है।

प्रदर्शनी ए, अंधा आदमी, पूर्व अंधा आदमी। प्रदर्शनी बी, यहूदी नेता। यह सब इस अध्याय में बताया गया है।

अब वह अपने, खैर, रहस्यमय भाषण में ऐसा करता है। उसके पास के कुछ फरीसी लोगों ने ये बातें सुनीं। क्या हम भी अंधे हैं? हम अपर्याप्त तो नहीं हैं, है न? हम महान लोग हैं।

हम अधिकारी हैं, ब्ला, ब्ला, ब्ला। वे इस शब्द का अलग तरह से इस्तेमाल कर रहे हैं। वे इस शब्द से नाराज़ हैं।

यदि तुम अंधे होते, तो तुम पिता के बारे में मेरे रहस्योद्घाटन के प्रकाश में अपनी ज़रूरतों को देख पाते। लेकिन अब जब तुम दावा करते हो कि तुम देख सकते हो, तो तुम शापित हो। यीशु इस सुसमाचार में शब्दों को तोड़-मरोड़ कर नहीं कहते।

क्या हम भी अंधे हैं? अगर तुम अंधे होते तो तुम्हें कोई अपराधबोध नहीं होता। लेकिन अब तुम कहते हो कि हम देखते हैं। इसका मतलब यह है कि मुझसे अलग, दुनिया की रोशनी से अलग, तुम्हारा अपराधबोध बना रहता है।

जिस तरह से सत्य और जीवन के अर्थों को सारांशित किया गया है, सात आयतों के तीन अर्थ। वैसे, यीशु ही एकमात्र उद्धारकर्ता है। और यह 14:6 ही है।

पिता के स्वर्गीय घर में जाने का रास्ता। यीशु के अलावा कोई भी वहाँ नहीं पहुँच सकता। उस रास्ते पर चलते हुए, जो यीशु है।

द्वार दूसरा आयत है जो दिखाता है कि यीशु ही मार्ग है, उद्धारकर्ता है। सत्य, 14:6 स्वयं। वह एक प्रकटकर्ता है।

वह सच बोलता है। अध्याय नौ में, वह प्रकटकर्ता है, क्योंकि वह दुनिया का प्रकाश है। प्रस्तावना में प्रस्तुत, अध्याय नौ में खूबसूरती से खोला गया है क्योंकि यीशु ने संकेत और उपदेश को जोड़ा है।

गेट, अध्याय 10. मैं तुमसे सच कहता हूँ, 10:1, जो कोई द्वार से पूले में प्रवेश नहीं करता, बल्कि दूसरे रास्ते से चढ़ता है, वह आदमी चोर और डाकू है। क्या वह यहूदी नेताओं के बारे में बात कर रहा है? पुराने नियम में निश्चित रूप से झूठे चरवाहे थे, और यहजेकेल उनके खिलाफ ही बोलता है।

जो दरवाज़े से अंदर आता है, वह भेड़ों का चरवाहा है। उसके लिए द्वारपाल दरवाज़ा खोलता है। भेड़ें उसकी आवाज़ सुनती हैं।

वह अपनी भेड़ों को नाम से पुकारता है और उन्हें बाहर ले जाता है। जब वह अपनी सभी भेड़ों को बाहर ले आता है, तो वह उनके आगे-आगे चलता है। और भेड़ें उसके पीछे-पीछे चलती हैं, क्योंकि वे उसकी आवाज़ पहचानती हैं।

वे किसी अजनबी का पीछा नहीं करेंगे। मेरी पत्नी और मैं कई साल पहले वहाँ गए थे; हम एक चर्च के एक हिस्से में थे जहाँ एक आदमी का छोटा सा खेत था, और उसके पास भेड़ें थीं। और मैंने उससे भजन 23 और यूहन्ना 10 के बारे में बहुत कुछ सीखा।

और यह कुछ इस तरह हुआ। उसने कहा, मेढ़े की तरफ पीठ मत करना। उसे लगता है कि तुम उसके हरम में घुस रहे हो और वह तुम्हें उड़ा देगा।

तो, मैंने अपनी पीठ नहीं मोड़ी। भेड़ों के पास नंबर क्यों थे? वह कहता है, ठीक है, हम उन्हें नाम देते थे। और एमिली को रात के खाने में खाना मुश्किल था।

तो अब यह 23 और 47 और इसी तरह है। और क्या वे आपकी आवाज़ जानते हैं? मैं इस बारे में सोच रहा हूँ। वे मेरी आवाज़ और मेरे सबसे बड़े बेटे की आवाज़ जानते हैं।

बाकी बच्चे अभी तक उनकी आवाज़ नहीं पहचानते। वे उनकी बात बिल्कुल नहीं सुनते। यह मैं नहीं हूँ, यह उल्लेखनीय बात है।

और वैसे, भजन 23 में कहा गया है कि अगर आप पानी को हौद में डाल रहे हैं तो वे पानी नहीं पीएंगे। पानी का स्थिर होना ज़रूरी था। वे आसानी से डर जाते थे।

दुर्भाग्य से, वे कक्षा में सबसे होशियार छात्र भी नहीं हैं। खैर, श्लोक सात। मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, भेड़ों का द्वार मैं हूँ।

यदि 14:6 कहता है, यीशु मार्ग है, पिता के स्वर्गीय घर की ओर जाने वाला मार्ग है जिसमें कई कमरे हैं। यदि आप चाहें तो यह स्वर्ग की तस्वीर है। सांसारिक रूप से, वह पृथ्वी पर मसीहा है जो स्वर्ग की ओर ले जाता है।

अध्याय 10 में भेड़ों का द्वार एक सांसारिक चित्र है। यीशु भेड़शाला में प्रवेश का मार्ग है। पुराने नियम की कल्पना।

प्रभु हमारा चरवाहा है, मेरा चरवाहा; मुझे कुछ नहीं चाहिए, इत्यादि। इस्राएल भेड़ है। उनके चरवाहे, परमेश्वर, उनसे नाराज़ हैं।

और यह जकेल, वह अपनी भेड़ों की देखभाल करेगा क्योंकि वे बहुत भयानक हैं। वे भेड़ों को लूटते हैं। वे भेड़ों को छोड़ देते हैं।

वे भेड़ों की रक्षा नहीं करते। वे भेड़ों को खाते हैं। वे भेड़ों को नष्ट कर देते हैं और जानवरों को भेड़ों को ले जाने देते हैं।

मैं चरवाहा हूँ। यहाँ, यीशु कहते हैं, मैं भेड़ों का द्वार हूँ। मुझसे पहले जो भी आए वे चोर और लुटेरे थे।

वह भविष्यवक्ताओं के बारे में बात नहीं कर रहा है। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह झूठे भविष्यवक्ताओं और झूठे मसीहाओं के बारे में बात कर रहा है। हो सकता है कि वह फिर से यहूदी नेतृत्व के बारे में बात कर रहा हो।

लेकिन भेड़ों ने उनकी बात नहीं मानी। मैं द्वार हूँ। अगर कोई मेरे द्वारा प्रवेश करेगा, तो वह बच जाएगा और अंदर-बाहर जाकर चारागाह पाएगा।

एक पश्चाताप रहित कैल्विनिस्ट हूँ। अहा, कुछ अर्मेनियाई लोगों ने कहा है, मैं मसीह में अपने अर्मेनियाई भाइयों और बहनों से प्यार करता हूँ। मैं वास्तव में करता हूँ।

अगर आप कुछ ऐसे लोगों को जानते हैं जिन्हें मैंने पढ़ाया है, तो वे आपको यह बताएँगे। किसी भी मामले में, अंदर जाओ और बाहर जाओ। आह, तुम अपना आपा खो दोगे, है न? नहीं, नहीं, यह भेड़ों की भाषा है जो चारा खाने के लिए बाड़े के अंदर और बाहर जाती हैं।

मैं उद्धार खोने की बात नहीं कर रहा हूँ। वास्तव में, इस अध्याय में थोड़ी देर बाद, सभी सुसमाचारों में सबसे मजबूत शब्द हैं। मैं उन्हें अनन्त जीवन दूँगा।

वे कभी नष्ट नहीं होंगे। यह बहुत ही मजबूत ग्रीक है। वैसे भी, चोर केवल चोरी करने, मारने और नष्ट करने के लिए ही आता है।

मैं इसलिए आया कि वे जीवन पाएं और बहुतायत से पाएं। फिर वह अच्छे चरवाहे की छवि पर आता है, जो मैं अध्याय 10 में कह रहा हूँ। मैं द्वार हूँ, परमेश्वर के सांसारिक लोगों में जाने का एकमात्र रास्ता।

यदि आप चाहें तो वह चर्च का द्वार है। वह परमेश्वर के लोगों का द्वार है। पुराने नियम के परमेश्वर के लोग भेड़ें थीं, जिनका मुख्य चरवाहा परमेश्वर ही था।

और कुछ अच्छे चरवाहे थे, लेकिन उनमें से बहुत से अच्छे नहीं थे। भविष्यवक्ता और अन्य, और पुजारी। अब, वह भेड़शाला नया इस्त्राएल है, और यीशु भेड़ों का द्वार है।

वह दुनिया का उद्धारकर्ता है। वह एक अच्छा चरवाहा है। मैंने आपको बताया, मैंने पहले भी कहा था, जिस तरह से सत्य और जीवन सात मैं कह रहा हूँ को तीन श्रेणियों में सारांशित करता है क्योंकि यही वे हैं।

उनमें से दो भेड़ों के लिए उद्धारकर्ता द्वार, पिता के स्वर्गीय घर के लिए भेड़शाला मार्ग दिखाते हैं। मेरे अलावा कोई भी पिता के पास नहीं आता। उनमें से दो दिखाते हैं कि वह सत्य है।

अध्याय 14, अध्याय छह और अध्याय नौ की बातें। वह संसार का प्रकाश है। बाकी सभी पाँच बताते हैं कि वह अनंत जीवन देने वाला है।

वह जीवन की रोटी है। आप उसे विश्वास से खाते हैं। आपको आध्यात्मिक जीवन, अनंत जीवन मिलता है।

वह पुनरुत्थान और जीवन है। यह बिलकुल स्पष्ट है। वह सच्ची बेल है जो शाखाओं को जीवन देती है।

वह एक अच्छा चरवाहा है। अब, एक मिनट रुकिए। अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान दे देता है।

यह सच है। लेकिन जहाँ तक मैं कह रहा हूँ, वह अच्छा चरवाहा है जो अनन्त जीवन देता है, और वे कभी नाश नहीं होंगे। मैं अच्छा चरवाहा हूँ।

मैं अपने लोगों को जानता हूँ और मेरे लोग मुझे जानते हैं। जैसे पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूँ और मैं भेड़ों के लिए अपना प्राण देता हूँ। मेरी और भी भेड़ें हैं जो इस भेड़शाला की नहीं हैं।

वह गैर-यहूदियों के बारे में बात कर रहा है। यह उल्लेखनीय है। मुझे उन्हें भी लाना होगा और वे मेरी आवाज़ सुनेंगे ताकि एक झुंड, एक चरवाहा हो।

यहाँ, वह चर्च की एकता के बारे में सिखा रहे हैं, जिसके लिए वह अध्याय 17 में प्रार्थना भी करते हैं। इस कारण, मेरे पिता मुझसे प्रेम करते हैं क्योंकि मैं अपना जीवन देता हूँ ताकि मैं इसे फिर से ले सकूँ। कोई भी इसे मुझसे नहीं छीनता।

मैं इसे अपनी मर्जी से छोड़ता हूँ। मुझे इसे छोड़ने का अधिकार है। मुझे इसे फिर से लेने का अधिकार है।

यह जिम्मेदारी मुझे मेरे पिता से मिली थी। जैसा कि मैंने अध्याय 2 में कहा था, यहाँ अध्याय 10 में, पूरे शास्त्र में अद्वितीय रूप से। हाँ, यह सही है।

यीशु खुद को जीवित करते हैं। आमतौर पर, पिता बेटे को जीवित करता है। कुछ बार, आत्मा भी इस कार्य में शामिल हो जाती है।

केवल यूहन्ना 2 में यह मंदिर नष्ट हो जाएगा, और तीन दिनों में, मैं इसे फिर से खड़ा करूँगा। वह अपने शरीर के मंदिर के बारे में बात कर रहा था। उसके पुनरुत्थान के बाद, शिष्यों ने शास्त्र और उसके द्वारा कहे गए शब्दों को याद किया और उन पर विश्वास किया।

यहाँ मैं अपनी जान दे रहा हूँ, और मैं इसे फिर से लेता हूँ। बेशक, वह पिता के खिलाफ नहीं है। वह कहता है कि पिता ने उसे ऐसा करने की अनुमति दी थी।

देहधारी पुत्र के रूप में, वह पिता के अधीन है। लेकिन यहाँ, जैसा कि यूहन्ना 2 में है, हम मसीह के ईश्वरत्व के बारे में सीखते हैं, जिसकी मृत्यु निश्चित रूप से उसकी मृत्यु में सर्वोपरि है; उसकी मानवता निश्चित रूप से उसकी मृत्यु में सर्वोपरि है। वह खुद को उठाता है।

मैं अपना जीवन त्याग देता हूँ। मैं इसे फिर से लेता हूँ। कोई आश्चर्य नहीं, एक विभाजन है।

दो प्रतिक्रियाएँ। 19, यहूदियों में फिर से उसके शब्दों के कारण फूट पड़ गई। उसमें दुष्टात्मा है।

वह पागल है। उसकी बात क्यों सुननी चाहिए? दूसरों ने कहा कि ये शब्द उस व्यक्ति के नहीं हैं जो किसी राक्षस द्वारा सताए गए हैं। क्या कोई राक्षस अंधे की आंखें खोल सकता है? क्या शैतान शैतान के खिलाफ काम करता है? शायद मैथ्यू 12 की प्रतिध्वनि।

यीशु सुलैमान के स्तंभों में चलते हैं। विषय वही है। आप हमें कब तक उलझन में रखेंगे? यूहन्ना 10:24.

हमें साफ-साफ बताइए कि क्या आप मसीह हैं। वह यह नहीं कहता, लेकिन वह दिखाता है कि क्या हो रहा है, सिनॉप्टिक्स में क्या हुआ। वह उनके दिल को पढ़ता है।

मैंने तुमसे कहा, और तुम मेरी बात पर यकीन नहीं करते। इसका मतलब यह नहीं कि तुम सबूतों के अभाव में मेरी बात पर यकीन नहीं करते। जो काम मैं अपने पिता के नाम से करता हूँ, वे ही मेरे बारे में गवाही देते हैं।

कुछ हैमबर्गर बन्स और कुछ फिश स्टिक्स से 5,000 लोगों को खाना खिलाना। क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? एक अंधे आदमी को ठीक करना, एक ऐसा आदमी जो जन्म से अंधा है। लेकिन तुम विश्वास नहीं करते क्योंकि तुम मेरी भेड़ों में से नहीं हो।

यह कहना कठिन है। जैसा कि मैंने पहले कहा, मुख्य रूप से जॉन कहेगा, तुम मेरी भेड़ नहीं हो क्योंकि तुम विश्वास नहीं करते। मानवीय अविश्वास उसका प्रमुख वर्तमान तरीका है।

वह पाप को प्रस्तुत करता है। अविश्वास के संबंध में ईश्वरीय संप्रभुता की तुलना में मानवीय जिम्मेदारी के बारे में अधिक बात की जाती है। लेकिन कुछ बार, हमें निंदा मिलती है, और यहाँ यह है।

ईश्वर सभी के भाग्य का स्वामी है। इससे मानवीय जिम्मेदारी और दोषसिद्धि खत्म नहीं हो जाती। और शास्त्रों में न्याय कर्मों पर आधारित है।

लोग अपने पापों के कारण नरक में जाते हैं। लेकिन यह तुम इसलिए विश्वास नहीं करते क्योंकि तुम मेरी भेड़ नहीं हो। जैसा कि मैंने पहले कहा, जॉन चुनाव की तीन तस्वीरें पेश करता है।

हम पाठ में इनके बारे में विस्तार से बात करेंगे। लेकिन पिता लोगों को बेटे को देता है। बेटा सिर्फ यूहन्ना 15:16 और 19 में लोगों को चुनता है।

और यहाँ, परमेश्वर के लोगों की एक पूर्ववर्ती या पूर्व पहचान है। हम उन्हें भेड़ कहेंगे। यह इस अन्य धारणा से ज़्यादा प्रचलित है, लेकिन यह वहाँ है।

बकरियों की एक पूर्व या पूर्ववर्ती पहचान है। तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते क्योंकि तुम मेरी भेड़ नहीं हो। वह उन्हें प्रभावी रूप से बता रहा है, तुम चुने हुए नहीं हो।

और इसका इस्तेमाल परमेश्वर उन्हें झकझोरने, उन्हें नम्र बनाने, उन्हें विश्वास की ओर ले जाने के लिए कर सकता है। अगर वह सामूहिक तरीके से बोल रहा है, तो मैं इसे इसी तरह लूंगा। मेरी भेड़ें, यह उनकी पहचान है इससे पहले कि वे विश्वास करें।

मुख्य जोर? नहीं, मुख्य जोर यह होगा कि इसमें इन शब्दों का उपयोग नहीं किया गया है, लेकिन यह विचार है। जो लोग विश्वास करते हैं, वे निश्चित रूप से मेरी भेड़ बन जाते हैं। यूहन्ना ने नब्बे बार यीशु पर विश्वास करने की बात कही है।

ओह, यह ज़्यादा जटिल है। लेकिन कई बार, वह ऐसा करता है। मुझे पता है कि कभी-कभी वह कहता है कि लोग विश्वास नहीं करते, वगैरह।

लेकिन आस्था की अपील करना बहुत ही ज़बरदस्त है। मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ सुनती हैं। इसका मतलब है कि वे उस पर विश्वास करती हैं।

और मैं उन्हें जानता हूँ। वह सबको जानता है। इस तरह नहीं।

वह अपनी भेड़ों को जानता है, और उसकी भेड़ें उसे जानती हैं। वह पद 14 में कहता है, एक पारस्परिक ज्ञान है। यह गलातियों 4 की तरह है। अब जब आप परमेश्वर को जान गए हैं, तो पौलुस खुद को सुधारता है।

मेरा मतलब है, यह सच है। या यूँ कहें कि आप परमेश्वर के द्वारा जाने गए हैं। निश्चित रूप से परमेश्वर इन चीज़ों में पहल करता है।

जैसा कि लूथर ने कहा, उसे ईश्वर बनने दो। अपने ऑगस्टीनियनवाद में, उसने यही कहा। मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ सुनती हैं।

वे मुझे पर विश्वास करते हैं। मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरा अनुसरण करते हैं। वे मेरी आज्ञा मानते हैं।

ओह, पूरी तरह से नहीं, लेकिन वे मेरी आज्ञा मानते हैं। मैं उन्हें अनंत जीवन देता हूँ। मैं अच्छा चरवाहा हूँ, जैसा कि पाँच, चार अन्य “मैं हूँ” कथनों में है।

यह दर्शाता है कि वह जीवन देने वाला है। और एक बार फिर, प्रस्तावना में यह स्पष्ट है कि जीवन ही वह सब कुछ है जो उसने बनाया है, शब्द, शाश्वत शब्द। और जो कुछ भी बनाया गया है वह उससे अलग नहीं बनाया गया है।

उन्होंने ब्रह्मांड और मानवजाति को जीवन दिया। उन्होंने सृष्टि में पिता के प्रतिनिधि के रूप में हर चीज़ को जीवन दिया। और अब देहधारी पुत्र के रूप में, अंदाज़ा लगाइए क्या? वे उन सभी को अनंत जीवन देते हैं जो उन पर विश्वास करते हैं।

मैं इसे दूसरे तरीके से कहूँगा। वह परमेश्वर के लोगों को अनंत जीवन देता है। ये दोनों बातें सच हैं।

वे कभी नष्ट नहीं होंगे। मानक, मध्यवर्ती ग्रीक व्याकरण डलास सेमिनरी के उस महान न्यू टेस्टामेंट विद्वान द्वारा लिखा गया था। डैनियल वालेस, हाँ।

मुझे लगता है कि एक छोटी सी चिड़िया ने मुझे यह बताया है। डैनियल वालेस ने लिखा, यह उत्कृष्ट है। यह मानक मध्यवर्ती व्याकरण है, यहाँ तक कि मध्यवर्ती से भी अधिक।

उन्होंने कहा, ग्रीक भाषा में इस विचार को व्यक्त करने का यह सबसे सशक्त तरीका है। वे कभी नष्ट नहीं होंगे। मैं आपको इस तरह अनुवाद करने का सुझाव नहीं दे रहा हूँ, लेकिन मैं इस तरह इसका प्रचार करूँगा और इसे इस तरह सिखाऊँगा।

और कोई भी उन्हें मेरे हाथ से छीन नहीं सकता। पिता जिसने उन्हें मुझे दिया है, वह सब से बड़ा है। कोई भी उन्हें पिता के हाथ से छीन नहीं सकता।

पिता और मैं ही भेड़ों की रक्षा करते हैं और उन्हें बचाए रखते हैं। इस प्रकार, हम इस विचार के साथ इस व्याख्यान का समापन करते हैं। यीशु, एक अच्छे चरवाहे के रूप में, फिर से उसे अनन्त जीवन देने वाले के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

अरे हाँ, यह उस धारणा को छुटकारे के इतिहास के साथ जोड़ता है, छुटकारे के, उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान की महान छुटकारे की ऐतिहासिक घटनाएँ। लेकिन यही है, उन्हें अनन्त जीवन देने वाले के रूप में उनकी सेवा में चित्रित किया गया है।

और हमारे अगले व्याख्यान में, हम सच्ची दाखलता और पुनरुत्थान और जीवन से संबंधित मैं हूँ कथनों को समझेंगे।

यह रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन थियोलॉजी पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 6 है, यीशु की मैं हूँ की बातें, भाग 1।